न्यूज डायरी

शनि के चांद Enceladus पर वैज्ञानिकों को दिखे जीवन के संकेत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। शनि के चांद म्दबमसंकने को लेकर एक दिलचस्प खोज सामने आई है। इसके मुताबिक चांद की बर्फीली सतह के नीचे नमकीन महासागरों में एलियन जीवन की मौजूदगी हो सकती है। दरइसल, नई स्टडी में यहां क्रस्ट के नीचे सूक्ष्मजीवियों की मौजूदगी का संकेत देने वाली मीथेन गैस मिली है। स्टडी में यह भी संकेत दिया गया है कि मीथेन गैस से ऐसी केमिकल प्रक्रिया हो रही है जिसके बारे में अभी हमें पता नहीं है।

Enceladus शनि का छठा सबसे बड़ा चांद है। इस पर ताजी और साफ बर्फ मौजूद है जो इसे बेहद रिफ्लेक्टिव और ठंडा बनाती है। साल 2014 में यहां NASA को पानी के महासागरों के सबूत मिले। 2018 में कॉम्प्लेक्स मैक्रोमॉलिक्यूलर ऑर्गैनिक भी मिले। नई स्टडी मsa Cassini के डेटा को स्टडी किया गया है। इसमें मीथेन के साथ–साथ डाइहाइड्रोजन और कार्बनडाइऑक्साइड भी मिले हैं।

ताशकंद में शुरू हुई मध्य और दक्षिण एशिया को जोड़ने की मुहिम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। मध्य और दक्षिण एशियाई देशों में और अधिक तालमेल बिठाने और आपसी संबंधों को मजबूत करने के मकसद से उजबेकिस्तान के ताशकंद में दो दिवसीय सेंट्रल एंड साउथ एशिया कांफ्रेंस की शुरुआत हुई है। इस बाबत उजबेकिस्तान की एजेंसी फॉर इंफॉर्मेशन एंड मास कम्यूनिकेशन के फर्स्ट डिप्टी डायरेक्टर दिलशोद सेद्जानोव ने कहा है कि सेंट्रल एंड साउथ एशिया कांफ्रेंस का असल मकसद यहां के एक्सपर्ट और अधिकारियों के बीच आपसी रिश्तों को और मजबूत करना है। 15–16 जुलाई के बीच हो रही इस कांफ्रेंस में भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल हैं। ताशकंद में हो रही इस कांफ्रेंस का शीर्षक इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन सेंट्रल एंड साउथ एशिया रिजनल कनेक्टिविटी, चौलेंज एंड ऑपरच्युनिटी रखा गया है।

सऊदी अरब ने तीर्थयात्रियों को दूसरे डाउनसाइज्ड हज के लिए टीका लगाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सऊदी अरब। शनिवार से सऊदी अरब एक और डाउनसाइज्ड हज की मेजबानी करेगा, जिसमें शामिल होने के लिए कोरोनावायरस के खिलाफ टीकाकरण कराए हुए निवासियों को पूरी तरह से अनुमति होगी। वहीं विदेशी मुस्लिम तीर्थयात्रियों को दूसरे वर्ष के लिए रोक दिया जाएगा। बता दें कि ऐसा करके राज्य पिछले साल की सफलता को दोहराना चाहता है जिसके तहत पिछले वर्ष पांच दिवसीय मुस्लिम अनुष्ठान के दौरान वायरस का कोई प्रकोप नहीं देखा गया था। इस्लाम का एक प्रमुख स्तंभ जो अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार सक्षम मुसलमानों के लिए आवश्यक है। सऊदी अरब के इस वार्षिक हज में सऊदी अरब के 60,000 निवासियों को भाग लेने की अनुमति दी गई है।

ब्राजील के राष्ट्रपति को 10 दिनों से आ रहीं हिचकियां, रुकने का नाम नहीं ले रहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियो डी जेनेरियो। कोरोना वायरस महामारी को लेकर घिरे ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को पिछले 10 दिनों से हिचकियां आ रही हैं और रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। बोलसोनारो को लगातार हिचकियां आने के बाद जांच के लिए बुधवार को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि यह अंतड़ियों में कुछ परेशानियों की वजह से हो रहा है और इसके लिए सर्जरी करने की जरूरत पड़ सकती है, लेकिन बाद में उन्होंने तत्काल सर्जरी ना करने की बात कही। राष्ट्रपति कार्यालय ने शुरुआती बयान में कहा था कि बोलसोनारो (66) को राजधानी ब्रासीलिया के 'आर्म्ड फोर्सेस हॉस्पिटल' में भर्ती कराया गया था और 'वह बेहतर महसूस' कर रहे हैं। लेकिन कुछ घंटे बाद एक अन्य बयान में कार्यालय ने कहा कि 2018 में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान बोलसोनारो के पेट पर वार किए जाने के बाद उनका इलाज करने वाले सर्जन ने उन्हें साओ पाओलो में भर्ती कराने का फैसला किया है।

भारत संग सीमा विवाद सुलझाने पर बातचीत को तैयार हुआ ड्रैगन

असर

चीन पर विदेश मंत्री जयशंकर की सख्ती का असर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान भारत के सख्त रुख अपनाने का असर होता दिख रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह उन मामलों का 'आपस में स्वीकार्य समाधान' खोजने के लिए तैयार है, जिन्हें वार्ता के जरिए 'तुरंत सुलझाए' जाने की आवश्यकता है। इससे पहले भारत ने चीन को स्पष्ट संदेश दिया था कि पूर्वी लद्दाख में मौजूदा स्थिति के लंबे समय तक बने रहने के कारण द्विपक्षीय संबंध स्पष्ट रूप से 'नकारात्मक तरीके' से प्रभावित हो रहे हैं।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुशांबे में एक घंटे तक चली बैठक के दौरान अपने चीनी समकक्ष वांग यी से कहा था कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति में कोई भी एकतरफा बदलाव भारत को श्स्वीकार्य नहीं। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में शांति की पूर्ण बहाली के बाद ही संबंध समग्र रूप से विकसित हो सकते हैं। ताजिकिस्तान की राजधानी में यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब पूर्वी लद्दाख में टकराव के शेष बिंदुओं पर दोनों सेनाओं के बीच बलों को पीछे हटाने की प्रक्रिया में गतिरोध बना हुआ है।

इससे पहले पिछले साल मई के बाद से जारी गतिरोध को सुलझाने के लिए की गई सैन्य एवं राजनीतिक वार्ताओं के बाद फरवरी में पैंगोंग झील क्षेत्रों से दोनों सेनाओं ने अपने हथियार एवं बल पीछे हटा लिए थे। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को अपनी वेबसाइट पर जयशंकर और वांग के बीच हुई वार्ता के संबंध में पोस्ट किए गए बयान में बताया कि मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के संबंध 'निचले स्तर पर' बने हुए हैं, जबकि गलवान घाटी एवं पैंगोंग झील से बलों की वापसी के बाद सीमा पर हालात 'आमतौर पर सुधर' रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद चीन और भारत के संबंध अब भी 'निचले स्तर' पर हैं, जो 'किसी के हित' में नहीं है। वांग ने कहा, 'चीन उन मामलों का आपस में स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए तैयार है, जिन्हें भारतीय पक्ष के साथ वार्ता एवं विचार–विमर्श के जरिए तत्काल सुलझाए जाने की आवश्यकता है।' जयशंकर ने स्पष्ट रूप से कहा कि पूर्वी लद्दाख में मौजूदा स्थिति के लंबा खिंचने से द्विपक्षीय संबंधों पर स्पष्ट रूप से 'नकारात्मक असर' पड़ रहा है।

चीनी पक्ष की ओर से स्थिति को सुधारने में कोई प्रगति नहीं: जयशंकर

जयशंकर ने कहा कि फरवरी में पैंगोंग झील क्षेत्रों से बलों को पीछे हटाए जाने के बाद से चीनी पक्ष की ओर से स्थिति को सुधारने में कोई प्रगति नहीं हुई है। जयशंकर ने वांग से कहा कि एलएसी पर यथास्थिति में कोई भी एकतरफा बदलाव भारत को श्स्वीकार्य नहीं है और पूर्वी लद्दाख में शांति की पूर्ण बहाली के बाद ही संबंध समग्र रूप से विकसित हो सकते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में बताया गया कि वांग ने 'तत्काल समाधान की आवश्यकता वाले मामलों' के आपस में स्वीकार्य समाधान के लिए वार्ता करने पर सहमति जताई।

भारतीय प्रतिभा के कनाडा पलायन से अमेरिकी चिंतित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। भारतीय प्रतिभाओं के दम पर पूरे विश्व में डंका बजा रहे अमेरिका की सरकार को विशेषज्ञों ने आगाह किया है। विशेषज्ञों ने कहा है कि अमेरिका की गलत वीजा नीति के कारण भारतीय प्रतिभा अब अमेरिका के बजाय कनाडा जा रही है। यह ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका चीन की बढ़ती लगातार ताकत से लड़ने के लिए प्रतिस्पर्द्धा को तेज करने का प्रयास कर रहा है। विशेषज्ञों ने अमेरिकी संसद को वीजा नीति में परिवर्तन के लिए तेजी से कार्य करने को कहा है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से एच 1 बी वीजा और देशों के कोटा निर्धारण को लेकर तत्काल नियमों में परिवर्तन करना चाहिए। यदि वीजा नियमों में ग्रीन कार्ड और स्थायी निवास की सहूलियतों को आसान नहीं किया गया तो बेहतरीन भारतीय प्रतिभा से अमेरिका को वंचित होना पड़ेगा।

नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पालिसी के स्टुअर्ट एंडरसन ने चेतावनी दी है कि भारतीयों के लिए रोजगार आधारित श्रेणियों में वीजा का बैकलाग 9 लाख से ज्यादा है। 2030 तक यह संख्या 21 लाख से ज्यादा हो जाएगी। अमेरिका के विश्वविद्यालय में 2016–17 से 2018–19 के बीच के शिक्षा सत्र में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में 25 फीसद भारतीय छात्रों में कमी आई है।

भारत–अफगान दोस्ती के प्रतीक पर तालिबान का हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में खूनी जंग लड़ रहे तालिबान ने अब भारत–अफगान दोस्ती के प्रतीक सलमा बांध पर हमले करना शुरू कर दिया है। सलमा बांध पर भारत ने करोड़ों रुपये खर्च किया था और यह अफगानिस्तान में भारत के सबसे महंगे प्रॉजेक्ट में से एक था। इस बांध न केवल बिजली का उत्पादन होता है, बल्कि जमीन सिंचाई के लिए भी पानी की सप्लाइ होती है। अब तालिबान इस बांध को तबाह करने में जुट गया है और लगातार बम बरसा रहा है। सलमा बांध अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में स्थित है। इस बांध का भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ घनी ने वर्ष 2016 में उद्घाटन किया था।

पाक सीमा के पास तालिबान के हाथ लगे तीन अरब रुपये

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कस्टम विभाग तालिबान के कब्जे में आ गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से सटे अफगानिस्तान के कंधार प्रांत के स्पिन बोल्डाक इलाके में बनी सीमा चौकी पर कब्जा करके तालिबान आतंकियों की किस्मत ही बदल गई है। तालिबान आतंकियों के हाथ तीन अरब रुपये का खजाना लगा है। ये पैसा अफगान सेना छोड़कर भाग गई थी जिस पर अब तालिबान आतंकियों का कब्जा हो गया है। तालिबान ने एक बयान जारी करके इस पैसे के मिलने की पुष्टि की है।

पाकिस्तानी टीवी चैनल जिओ न्यूज ने यह जानकारी दी है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद से तालिबान आतंकी लगातार भीषण हमले कर रहे हैं। तालिबान प्रवक्ता सुहैल शाहीन का दावा है कि देश के 85 फीसदी इलाके पर अब तालिबान का शासन हो गया है। तालिबान ने स्पिन बोल्डाक में बनी सीमा चौकी पर कब्जा कर लिया। तालिबान की कोशिश है कि दूसरे देशों से लगी सारी सीमा चौकियों पर कब्जा कर लिया जाए ताकि सीमा व्यापार से होने वाली कमाई पर कब्जा किया जा सके।

तालिबान के प्रवक्ता जबिउल्लाह मुजाहिद ने एक बयान जारी करके कहा, तालिबान ने सीमा पर कंधार प्रांत में बसे कस्बे वेश पर कब्जा कर लिया है। इस स्पिन बोल्डाक और चमन तथा कंधार के बीच स्थित महत्वपूर्ण सड़क पर कब्जा होने के बाद वहां का कस्टम विभाग भी तालिबान के कब्जे में आ गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने भी तालिबानी कब्जे की पुष्टि की है।

उधर, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि वह इस ताजा घटनाक्रम की जांच कर रहा है। तालिबान ने यहां अफगान सरकार के झंडे उतारकर उसकी जगह पर अपने सफेद झंडे लगा दिए हैं। पाकिस्तानी विश्लेषकों का दावा है कि अफगान सुरक्षा बलों ने तस्करों से घूस लेकर 3 अरब रुपये जमा किए थे जिस पर अब तालिबान का कब्जा हो गया है।

अमेरिका में जश्न का साइड इफेक्ट, दोगुना हो गए कोरोना के नए मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना के मामलो में एक माह के बाद फिर से तेजी आई है। तीन सप्ताह के दौरान रोजाना आने वाले नए मामले करीब दोगुना हो गए हैं। इसकी वजह तेजी से फैल रहे डेल्टा वैरिएंट को बताया गया है। इसके पीछे एक वजह देश में 4 जुलाई को मनाए गए स्वतंत्रता दिवस को भी बताया जा रहा है। इस दिन काफी संख्या में लोग एकत्रित हुए थे। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के मुताबिक देश में 23 जून को कोरोना के 11300 नए मामले सामने आए थे। वहीं सोमवार 13 जुलाई को इनकी संख्या बढ़कर 23600 हो गई। बीते दो सप्ताह के दौरान देश के डकोटा और मेने राज्य में लगातार मामलों में तेजी आई है। विशेषज्ञों ने जुलाई के चौथे सप्ताह के आसपास देश में कोरोना के मामले बढ़ने का अनुमान लगाया था। उनके मुताबिक ये ऐसे समय में हो रहा है जब देश के ज्यादातर हिस्सों में कोरोना के खिलाफ वैक्सीनेशन प्रोग्राम तेजी से चलाया जा रहा है।